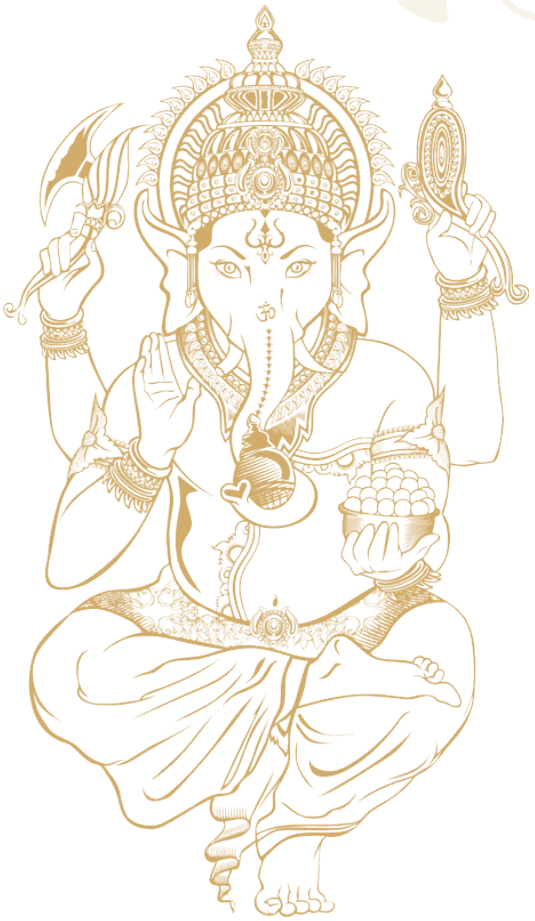

Baby of chandrika

21 Mar 2026

04:31 PM

Churu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121679405

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:31:00 घंटे**
इष्ट	24:54:12 घटी
स्थान	**Churu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:18:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:01:00 घंटे
वेलान्तर	-00:07:12 घंटे
साम्पातिक काल	03:56:55 घंटे
सूर्योदय	06:33:19 घंटे
सूर्यास्त	18:41:35 घंटे
दिनमान	12:08:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:36:49 मीन
लग्न के अंश	08:44:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:44:24	313:56:59	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मीन	06:36:49	00:59:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	08:26:41	14:27:07	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	20:37:39	00:47:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:17:10	00:03:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:02:04	00:02:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	24:24:16	01:14:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:00:27	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:38:26	00:03:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:38:26	00:03:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:06:39	00:02:13	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:34:49	00:02:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:47:52	00:01:14	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	07:07:44	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

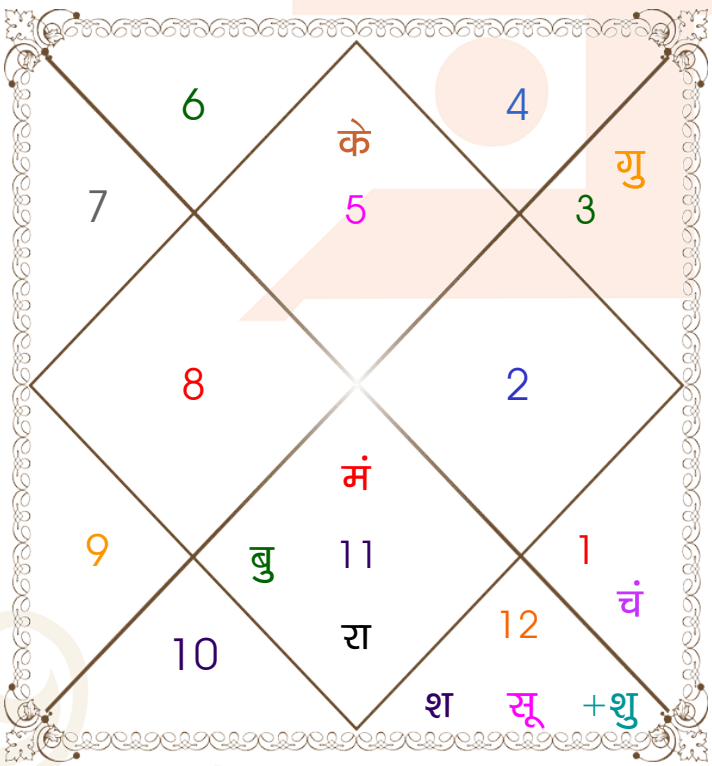

चन्द्र कुंडली

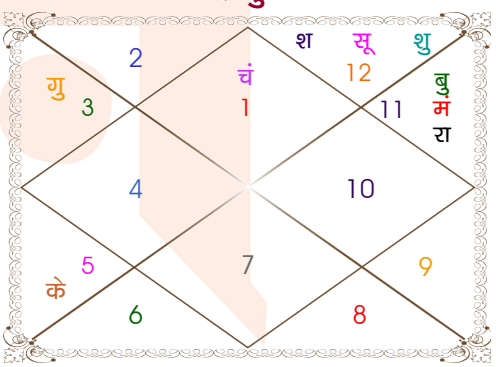

नवमांश कुंडली

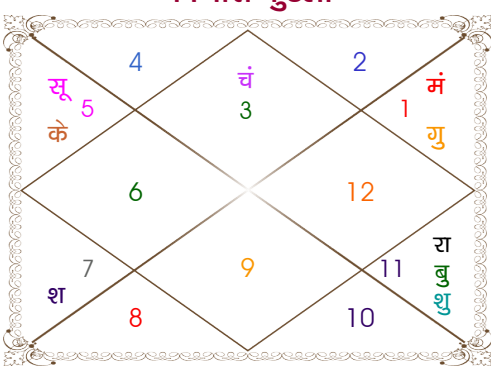

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/2026		14/10/2028		14/10/2048		14/10/2054		14/10/2064	
14/10/2028		14/10/2048		14/10/2054		14/10/2064		14/10/2071	
	00/00/0000	शुक्र	13/02/2032	सूर्य	31/01/2049	चंद्र	15/08/2055	मंगल	12/03/2065
	00/00/0000	सूर्य	12/02/2033	चंद्र	02/08/2049	मंगल	15/03/2056	राहु	30/03/2066
	00/00/0000	चंद्र	14/10/2034	मंगल	08/12/2049	राहु	13/09/2057	गुरु	06/03/2067
	00/00/0000	मंगल	14/12/2035	राहु	01/11/2050	गुरु	13/01/2059	शनि	14/04/2068
	00/00/0000	राहु	14/12/2038	गुरु	21/08/2051	शनि	14/08/2060	बुध	11/04/2069
	21/03/2026	गुरु	14/08/2041	शनि	02/08/2052	बुध	13/01/2062	केतु	07/09/2069
गुरु	08/09/2026	शनि	14/10/2044	बुध	08/06/2053	केतु	14/08/2062	शुक्र	07/11/2070
शनि	17/10/2027	बुध	15/08/2047	केतु	14/10/2053	शुक्र	14/04/2064	सूर्य	15/03/2071
बुध	14/10/2028	केतु	14/10/2048	शुक्र	14/10/2054	सूर्य	14/10/2064	चंद्र	14/10/2071

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/10/2071		14/10/2089		15/10/2105		15/10/2124		15/10/2141	
14/10/2089		15/10/2105		15/10/2124		15/10/2141		00/00/0000	
राहु	27/06/2074	गुरु	02/12/2091	शनि	18/10/2108	बुध	13/03/2127	केतु	13/03/2142
गुरु	19/11/2076	शनि	14/06/2094	बुध	28/06/2111	केतु	09/03/2128	शुक्र	13/05/2143
शनि	26/09/2079	बुध	19/09/2096	केतु	06/08/2112	शुक्र	08/01/2131	सूर्य	18/09/2143
बुध	15/04/2082	केतु	26/08/2097	शुक्र	06/10/2115	सूर्य	15/11/2131	चंद्र	18/04/2144
केतु	03/05/2083	शुक्र	27/04/2100	सूर्य	17/09/2116	चंद्र	15/04/2133	मंगल	14/09/2144
शुक्र	03/05/2086	सूर्य	13/02/2101	चंद्र	19/04/2118	मंगल	12/04/2134	राहु	03/10/2145
सूर्य	27/03/2087	चंद्र	15/06/2102	मंगल	28/05/2119	राहु	30/10/2136	गुरु	22/03/2146
चंद्र	25/09/2088	मंगल	22/05/2103	राहु	03/04/2122	गुरु	05/02/2139		00/00/0000
मंगल	14/10/2089	राहु	15/10/2105	गुरु	15/10/2124	शनि	15/10/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 6 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।